परिशिष्ट - 1

व्यावहारिक शब्दों का प्रयोग

1. मेरा भाई लगभग पांच साल का है = पञ्चवर्षदेशीयो मम भ्राता।
2. वह सबका सरताज है = स सर्वेषां मूर्ध्नि तिष्ठति।
3. बकवास मत करो = अलम् विजल्पितेन।
4. अपने गुरु के आदेश पर चलो = शासने तिष्ठ गुरोः।
5. उसकी बुद्धि तेज है = कुशाग्रधीः सः।
6. हम कुल सात आदमी हैं = सर्वे मिलित्वा सप्तं वयम्।
7. वह मरने वाला ही है = मृतप्रायः सः।
8. अब मैं परवाह नहीं करता = अधुनाहं वीतचिन्तः।
9. जो कुछ हो मैं वहाँ जाऊँगा = यद् भावि तद् भवतु अहन्नूनमेव तत्र यास्यामि।
10. गुरु जो को मेरा नमस्कार कहना = गुरुचरणारविन्देषु मदीयो नमस्कारो वाच्यः।
11. हँसी से बस = अलम् परिहासेन।
12. ईश्वर न करे = शान्तम् पापम्।
13. चुप रहो = वाचंमयो भव।
14. अहंकार से वह फूल गया = मदोद्धतः सः.
15. दिन ब दिन तुम पतले होते जा रहे हो = अनुदिनं परिहीयसेऽङ्गः।
16. वह हाज़िर जवाब है = प्रत्युत्पन्नमतिः सः।
17. शुक्रिया = अनुगृहीतोऽस्मि।
18. बौछार की वर्षा हो रही है = धारासारै मैयती वृष्टिर्भवति।
19. दरवाजा बन्द करो, खिड़की खोलो = द्वार पिधेहि, वातायानं अपावृणु।
20. कुछ देर के लिए इन्तजार करो = कालः कश्चित्प्रतीक्ष्यताम्।
21. दुःखी मत हो = वैक्लव्यं मास्मगमः।
22. अच्छा जाइए फिर दर्शन दें = गम्यतां पुनर्दर्शनाय।
23. आपका भला हो = भद्र भूयाद् भवतः।
24. पढ़ने से जी न चुराओ = स्वाध्यान्नं प्रमदिव्यम्।
25. मैं अभी आया = अहमागच्छामि।
26. यह सड़क किधर को जाती है ? = क्व गच्छत्यं पन्थाः ?
27. वह सिर हिला रहा है = सः मूर्धानं चालयति ?
28. मेरे अनुरोध को मत टालो = नार्हसि मे प्रणयम् विहन्तुम्।
29. यह मार्ग नदी की ओर जाता है = अयं पन्था नदीमुपतिष्ठते।
30. आज बहुत सवेरे मेरा भाई शिमला गया = अद्य महति प्रत्यूषे ममभ्राता शिमलानगरमगमत्।
31. बधाई हो = दिष्ट्या वर्धते भवान्।

32. मेरा दिल बैठा जा रहा है = सीदति से हृदयम्।
33. देर से मिले हो = चिराद् दृष्टोऽसि।
34. तुम्हारा क्या नाम है = किं ते नामधेयम् ?
35. आप अच्छे तो हैं = अपि शिवं भवतः ?
36. आग में फैंक दो = अग्निसकात्कुरु।
37. अधिर परिचय से अपमान होता है = अतिपरिचयादवज्ञा।
38. हे मित्र! हंसी में कहा गया था = परिहासविजल्पितं सखे।
39. मेरी ओर से उस राजा को कहना = वाचस्त्वया मद्वचनात्स राजा।
40. विद्या उसकी जिह्वा पर थी = अमुष्य विद्या रसनाग्रनर्तकी।
41. मालूम करो कि कौन-कौन प्रार्थी है = ज्ञायतां कः - कः कार्यार्थीति।
42. बुढ़ापे में = पश्चिमे वयसि।
43. अपच में भोजन करना विष के तुल्य है = अजीर्णे भोजनं विषम्।
44. बड़ों की आज्ञा सिर माथे = आज्ञा गुरूणां ह्य विचारणीया।
45. बड़ों का अनुकरण करो = महतां पदमनुविधेयम्।

❑❑❑